मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 228, मुंबई, शुक्रवार, 21 अक्टूबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W), Tel. : 288 99 501.

अंधेरी का इनफिनिटी, जुहू का पीवीआर और सहारा होटल उड़ाने की धमकी

सुरक्षा एजेंसियां हुईं अलर्ट

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुंबई के तीन ठिकानों पर बम ब्लास्ट होगा। अंधेरी के इनफिनिटी मॉल, जुहू के पीवीआर मॉल और एयरपोर्ट के सहारा होटल को उड़ा दिया जाएगा। मुंबई पुलिस की हेल्पलाइन पर फोन कॉल किया गया है। सुरक्षा एजेंसियां कॉलर का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं। कॉल करने वाले ने यही बताया है कि मुंबई के तीन इलाकों में बम ब्लास्ट होने वाला है। धमकी भरे इस फोन के आते ही मुंबई का पुलिस प्रशासन बेहद सतर्क हो गया है। (शेष पृष्ठ 6 पर)

मुंबई में इजाजत बगैर पटाखे बिक्री पर पाबंदी

नियम न मानने पर होगी कार्रवाई

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। दिवाली के मौके पर पुलिस की इजाजत के बगैर मुंबई में पठाखे की बिक्री पर बैन होगा। मुंबई पुलिस ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। कोरोना के दो सालों के बाद इस साल लोगों में पर्व-त्योहारों को लेकर खासा उत्साह है। बाजारों में बेतहाशा भीड़ उमड़ रही है। ऐसे में कोरोना का खतरा भी बढ़ना शुरू हो गया है। महाराष्ट्र में साढ़े चार सौ और मुंबई में हर रोज डेढ सौ केसेस आने लगे हैं। सिर्फ कोरोना की चिंता ही नहीं, प्रदूषण की चिंता का भी ध्यान है। इसलिए मुंबई पुलिस ने पटाखे बिक्री पर पाबंदी लगाई है। यानी बिना पुलिस की इजाजत लिए अगर कोई पटाखे बेचता हुआ पाया जाएगा तो उस पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुंबई पुलिस ने अपने आदेश में यह साफ कहा है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं। यह आदेश 16 अक्टूबर से 14 नवंबर तक लागू रहेगा। (शेष पृष्ठ 6 पर)

संभावित नुकसान का अनुमान, इसलिए पटाखों की बिक्री पर बैन

मुंबई पुलिस द्वारा जारी आदेश में यह भी लिखा है, मुंबई और मुंबई के उपनगरों की सड़कों पर बिना इजाजत पटाखे बेचने, उनका प्रदर्शन करने, हस्तांतरण करने, ले जाने और ले आने पर पुलिस ने प्रतिबंध लगाया हुआ है। इस आदेश का उल्लंघन करने वालों पर और बिना इजाजत पटाखे बेचनेवाले वालों को कठोर कार्रवाई की जाएगी। अवैध तरीके से पटाखे बेचने वालों द्वारा सुरक्षा और सावधानियों का ध्यान नहीं रखा जाता है। इस वजह से सार्वजनिक ठिकानों पर दुर्घटनाओं की आशंका है। पटाखे में अगर आग लग गई तो इससे बड़ा नुकसान हो सकता है।

दैनिक मुंबई हलचल जरूरी सूचना

सभी को सुचित किया जाता है कि अगर दै. मुंबई हलचल के नाम पर कोई व्यक्ति संवाददाता बता कर आपसे कोई भी गलत व्यवहार करता है तो आप तुरंत अपने स्थनीय पुलिस स्टेशन में जाकर उस व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराये, अगर आप उस व्यक्ति से कोई लेन-देन करते हैं तो उसका जिम्मेदार आप खुद होंगे.

धन्यवाद...संपादक

आप दै. मुंबई हलचल के कार्यालय में नीचे दिये गये नंबर पर संपर्क कर सकते हैं
9820961360

मुंबई के मशहूर बिल्डर पारस पोरवाल ने की आत्महत्या

इमारत की 23 वें मंजिल से कूद कर दी जान

मुंबई। पोरवाल ग्रुप के नाम से मशहूर मुंबई की कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री की बड़ी हस्ती पारस पोरवाल ने आत्महत्या कर ली है। पारस पोरवाल ने मुंबई के भायखला में स्थित अपने घर की इमारत के 23 वें फ्लोर से कूद कर जान दी है। पोरवाल बिल्डर और डेवलपर्स ग्रुप के नाम से मशहूर कंपनी के डायरेक्टर पारस शांतिलाल पोरवाल ने 20 अक्टूबर, गुरुवार सुबह छह से सात बजे के करीब आत्महत्या की है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। (शेष पृष्ठ 6 पर)

पारस पोरवाल के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ

आत्महत्या से पहले किसी तरह की धमकी के फोन वगैरह आने की भी कोई सूचना नहीं है। परिवार के सदस्यों में से अभी किसी ने मीडिया से संवाद नहीं साधा है। ना ही पुलिस सूत्रों के हवाले से आत्महत्या की वजह पता चल पाई है। पुलिस पूछताछ के बाद ही आत्महत्या की वजह सामने आ पाएगी।

महाराष्ट्र : रायगढ़ में कंपनी का कंप्रेसर हुआ ब्लास्ट

तीन लोगों की दर्दनाक मौत

रायगढ़। महाराष्ट्र के रायगढ़ के अलीबाग स्थित राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स कंपनी में कंप्रेसर ब्लास्ट कर गया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, इतने ही लोग जख्मी हो गए। घटना की सूचना पर तत्काल मौके पर पुलिस पहुंची और बचाव कार्य में जुट गई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में दिलशाद आलम (29), फैजान शेख (33) और अंकित शर्मा (27) शामिल हैं। घायलों की पहचान अतींद्र, जितेंद्र और साजिद सिद्दीकी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बुधवार शाम करीब 4।45 बजे अलीबाग थाना क्षेत्र के आरसीएफ कंपनी के कंट्रोल रूम में एसी लगाने का काम हो रहा था। इसी दौरान कंप्रेसर फट गया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और कुछ घायल हो गए। (शेष पृष्ठ 6 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

कांग्रेस में चुनाव

इक्कीसवीं सदी में पहली बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए सफलतापूर्वक हुआ चुनाव अन्य सभी पार्टियों के लिए भी महत्व रखता है। देश की इस सबसे पुरानी पार्टी में अनेक बार राष्ट्रीय अध्यक्ष को मतदान से चुना गया है, लेकिन आज जिस मोड़ पर कांग्रेस खड़ी है, वहां इस चुनाव का महत्व पहले से कहीं ज्यादा है। राष्ट्रीय स्तर पर दो लोकसभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन ऐसा बुरा रहा है कि नेता प्रतिपक्ष पद के स्वाभाविक सम्मान से भी पार्टी वंचित रही है। करारी हार ने ही राहुल गांधी को अध्यक्ष पद से हटने के लिए एक तरह से विवश किया था। राहुल गांधी नेतृत्व संभालने से बच रहे थे और सोनिया गांधी को मजबूरी में नेतृत्व प्रदान करने के लिए आगे लाया गया। धीरे-धीरे पार्टी नेतृत्व पर दबाव पड़ा और स्वस्थ परंपरा को याद करते हुए पार्टी ने अध्यक्ष पद के लिए चुनाव का सहारा लिया। इसमें कोई दोराय नहीं कि कांग्रेस ने दूसरी पार्टियों के सामने एक मिसाल पेश की है। लोकतंत्र का तकाजा यही है कि सभी पार्टियों में आंतरिक स्तर पर संगठन चुनाव होने चाहिए। कांग्रेस पर अक्सर वंशवाद या परिवारवाद का आरोप लगता है, यह कांग्रेस का एक पहलू है, लेकिन गांधी परिवार ने जिस तरह से चुनाव के लिए रास्ता तैयार किया है, वह काबिलेगौर है। कांग्रेस में ऐसे नेता बहुतायत में हैं, जिनकी दिली इच्छा यही है कि गांधी परिवार से ही कोई सदस्य अध्यक्ष रहे। दिलचस्प है कि इस चुनाव में जब दो ही नेता खड़े थे, तब भी अनेक कांग्रेसियों ने मतपत्र पर राहुल गांधी का नाम लिख दिया। दल के नए अध्यक्ष पर अब जिम्मेदारी होगी कि वह पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाने के लिए हर मुमकिन काम करें। यह बहुत अच्छी बात है कि चुनाव के बावजूद पार्टी में कहीं भी कटुता नहीं बढ़ी है। मल्लिकार्जुन खड़गे को 7,897 वोट और शशि थरूर को 1,072 वोट मिलने का संदेश स्पष्ट है कि कांग्रेसजनों ने तुलनात्मक रूप से वरिष्ठता, अनुभव और निष्ठा का पक्ष लिया है। खड़गे की जीत वास्तव में कांग्रेस संस्कृति की ही जीत है और आज के समय में खड़गे में वह दमखम है कि वह पार्टी में समन्वय के साथ चलते हुए बदलाव ला सकते हैं। दूसरी ओर, शीर्ष संगठनात्मक चुनाव में शशि थरूर की मौजूदगी अपने आप में प्रमाण है कि आज भी पढ़े-लिखे, साहित्यकार और दांवपेच न करने वाले नेता अप्रासंगिक नहीं हुए हैं। शशि थरूर अपनी बात रखने में पीछे नहीं रहते हैं और उन्होंने चुनाव को लेकर कुछ शिकायतें भी मुखरता से जाहिर की थीं, जिनका समाधान पार्टी ने आसानी से कर दिया। थरूर ने चुनाव में हार भी स्वीकार कर ली है और खड़गे को बधाई भी दी है। आगे अगर थरूर से बेहतर व्यवहार होगा, तो इससे कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र को बल मिलेगा। बहरहाल, कांग्रेस में हुए इस चुनाव ने राहुल गांधी को यह पूछने का मौका दे दिया है कि कांग्रेस अकेली ऐसी पार्टी है, जहां चुनाव होते हैं। क्या वाकई भारत में किसी पार्टी में लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव नहीं होते हैं? इसमें कोई दोराय नहीं कि आंतरिक चुनाव अगर होंगे, तो राजनीतिक दलों को ज्यादा योग्य और हकदार नेता हासिल होंगे। ऐसे चुनावों की परंपरा अगर मजबूत होगी, तो राजनीति का चरित्र भी बदलेगा। राजनीति को धन या भुजबल के प्रभाव से मुक्ति मिलने की सूरत बनेगी और जमीनी स्तर पर सेवाभावी ढंग से काम करने वाले नेताओं को आगे आने के ज्यादा मौके मिलेंगे।

कांग्रेस में नए युग की शुरूआत

कांग्रेस विपक्ष में आई तो लोकसभा में पार्टी के नेता बने और अभी राज्यसभा में कांग्रेस के नेता हैं। वे कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्ष रहे और अब राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। तमाम उतार-चढ़ाई और अच्छे-बुरे दिनों के बावजूद वे कांग्रेस में बने रहे और अपनी शिकायतों के बावजूद पार्टी के अनुशासित सिपाही की तरह काम किया। जो भी जिम्मेदारी मिली उसे दिल से निभाया।

कांग्रेस के 137 साल के इतिहास में सिर्फ छह मौके ऐसे आए हैं, जब अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुआ। इन छह मौकों में से तीन मौके पिछले ढाई दशक में आए हैं। पहले 1997 में सीताराम केसरी चुनाव के जरिए अध्यक्ष बने फिर सन 2000 में सोनिया गांधी चुनाव लड़ कर कांग्रेस अध्यक्ष बनीं और अब मल्लिकार्जुन खड़गे एक हाई वोल्टेज प्रचार अभियान वाले चुनाव के बाद भारी बहुमत से जीत कर कांग्रेस के अध्यक्ष बने हैं। सोचें, जिस पार्टी को लेकर वंशवाद के सबसे गंभीर और बड़े आरोप लगते रहे हैं उस पार्टी में पिछले ढाई दशक में तीन बार अध्यक्ष पद का चुनाव हुआ। दूसरी ओर जो पार्टियां आरोप लगाती हैं उनकी स्थापना के बाद से ही कोई चुनाव नहीं हुआ है। हर बार आम सहमति, जिसका मतलब पार्टी के सर्वोच्च नेता की मंजूरी होती है, उससे अध्यक्ष चुने जाते हैं। पार्टियों के सर्वोच्च नेता या तो खुद अध्यक्ष होते हैं या उनकी बैठाई माटी की मूरतें होती हैं। देश और दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी में भी अभी तक कभी चुनाव की स्थिति नहीं आई। आज तक ऐसा नहीं हुआ कि एक से ज्यादा व्यक्ति ने नामांकन दाखिल किया हो।

बहरहाल, भारतीय राजनीति की इस बुनियादी कमी पर अलग से विचार की जरूरत है। फिलहाल कांग्रेस पार्टी की चर्चा है, जिसको 24 साल के बाद एक गैर गांधी अध्यक्ष मिला है। कोई ढाई दशक के बाद ऐसा हुआ है, जब कांग्रेस की कमान नेहरू-गांधी परिवार से बाहर के किसी व्यक्ति के हाथ में गई है। इतने ही अरसे के बाद दक्षिण भारत का कोई नेता कांग्रेस का अध्यक्ष बना है। नेहरू-गांधी परिवार के बाहर के और दक्षिण भारत के व्यक्ति का अध्यक्ष बनना कांग्रेस में नए युग की शुरूआत है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सोनिया और राहुल गांधी का असर नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर होगा। खुद खड़गे ने भी कई बार कहा कि वे गांधी परिवार से सलाह लेने में नहीं हिचकेंगे। यह बहुत स्वाभाविक है क्योंकि सोनिया और राहुल गांधी दोनों कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं। सो, पूर्व अध्यक्ष के नाते उनकी हैसियत भी है और उनके पास लंबा अनुभव भी है। इसलिए अगर खड़गे उनकी सलाह से लेकर कांग्रेस चलाते हैं तो इसमें कुछ भी गलत नहीं होगा। भाजपा कांग्रेस के नए अध्यक्ष को रिमोट कंट्रोल से चलने वाला बता रही है। यह सिर्फ आलोचना के लिए आलोचना है क्योंकि भाजपा की स्थापना के बाद पिछले 42 साल में जितने भी अध्यक्ष हुए हैं उनमें तीन-चार को छोड़ दें तो बाकी हर नेता से ज्यादा अनुभव और ज्यादा बड़ा कद मल्लिकार्जुन खड़गे का है।

यह संयोग है या प्रयोग यह नहीं कहा जा सकता है लेकिन कांग्रेस की राजनीति में दो घटनाएं एक साथ हुई हैं। पहली राहुल गांधी का भारत जोड़ो यात्रा पर निकलना और दूसरी नेहरू-गांधी परिवार से बाहर के एक दिग्गज नेता का कांग्रेस अध्यक्ष बनना। ये दोनों घटनाएं बहुत बड़े मायने वाली हैं। पिछले आठ साल से कांग्रेस की सर्वाधिक आलोचना इस बात को लेकर होती थी कि उसमें पार्टी अध्यक्ष का पद गांधी परिवार के लिए आरक्षित है। भाजपा से तुलना करते हुए पार्टी के नेता अक्सर कहा करते थे कि भाजपा में कोई भी अध्यक्ष बन सकता है, जबकि कांग्रेस में गांधी परिवार का ही कोई व्यक्ति अध्यक्ष बनेगा। इसे लेकर कई तरह के मजाक सुनाए जाते थे। खड़गे के अध्यक्ष बनने से इस आलोचना की धार कुंद पड़ जाएगी। चाहे उन्हें रिमोट कंट्रोल्ड अध्यक्ष कहा जाए लेकिन हकीकत यह है कि अध्यक्ष के पद पर गैर गांधी बैठा होगा। खड़गे की खासियत यह भी है कि वे किसी राजनीतिक वंश के नहीं हैं। वे दलित समाज से आते हैं और कोई 55 साल पहले उन्होंने एक सामान्य कार्यकर्ता के तौर पर कांग्रेस की राजनीति शुरू की थी। कांग्रेस की दूसरी आलोचना राहुल गांधी को लेकर होती थी। अक्सर कहा जाता था कि राजनीति में उनकी रूचि नहीं है, वे अक्सर विदेश चले जाते हैं, वे जमीन पर उतर कर राजनीति नहीं करते आदि आदि। भारत जोड़ो यात्रा से राहुल ने इन तमाम आलोचनाओं का जवाब दिया है। ये दोनों घटनाक्रम एक साथ हुए हैं इसलिए इनका असर ज्यादा गहरा और दूरगामी होगा। अब सवाल है कि खड़गे के अध्यक्ष बनने से कांग्रेस में क्या बदलेगा? सबसे पहले तो काम करने का तरीका और कार्य संस्कृति बदलेगी। अब सोनिया और राहुल गांधी आमतौर पर 10, जनपथ या नौ, तुगलक लेन से ही राजनीति करते थे। इसके उलट खड़गे कांग्रेस मुख्यालय में बैठेंगे। इसका सबसे बड़ा असर यह होगा कि नेताओं और कार्यकताओं को पार्टी मुख्यालय में आना जाना बढ़ेगा। खड़गे एसपीजी या जेड प्लस सुरक्षा घेरे में रहने वाले नहीं हैं इसलिए पार्टी नेता उनसे सहज तरीके से मिल पाएंगे और अपनी बात कह पाएंगे। उनकी जो नई टीम बनेगी उसके नेता भी उनके साथ सहज होंगे। खड़गे के पास संगठन का बहुत व्यापक अनुभव है। वे गुलबर्गा में नगर अध्यक्ष रहे हैं, कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं और अब राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। इसलिए उनको पता है कि आम कार्यकताओं से कनेक्ट कैसे बनता है और संगठन को कैसे मजबूत किया जाता है। यह उनको किसी से सीखने की जरूरत नहीं है। मल्लिकार्जुन खड़गे के अध्यक्ष बनने से कांग्रेस को चुनावी फायदा भी होगा। वे कर्नाटक के जमीनी नेता हैं। उनका अध्यक्ष बनना कन्नाडिगा के सम्मान की बात है। वहां अगले साल मई में चुनाव होना है और कांग्रेस को खड़गे के अध्यक्ष बनने से लाभ मिलेगा। खड़गे नया वोट समूह पार्टी के साथ जोड़ सकते हैं, पार्टी की आंतरिक खींचतान को खत्म करा सकते हैं और जरूरत पड़ने पर देवगौड़ा परिवार के साथ तालमेल भी करा सकते हैं। ध्यान रहे कर्नाटक से कांग्रेस को बड़ी उम्मीद है। विधानसभा चुनाव में जीत के साथ साथ कांग्रेस को उम्मीद है कि लोकसभा चुनाव में पिछली बार भाजपा को जो छप्पर फाड़ जीत मिली थी उसे इस बार बदला जा सकता है। यह काम खड़गे के नाम, चेहरे और उनकी सक्रियता से संभव है। कर्नाटक के साथ साथ पूरे दक्षिण भारत में खड़गे कांग्रेस के बहुत काम आएंगे। ध्यान रहे कांग्रेस की कुल 52 लोकसभा सीटों में से आधी यानी 26 सीटें सिर्फ तीन राज्यों- तमिलनाडु, केरल और तेलंगाना से मिली हैं। इसे बचाते हुए कांग्रेस को इनमें कर्नाटक और आंध्र प्रदेश से बढ़ोतरी करनी है, जिसमें खड़गे का चेहरा काम आएगा।

खड़गे का दलित होना कांग्रेस के पुराने और समर्पित दलित वोट को फिर से पार्टी के साथ जोड़ने में भी काम आएगा। अब खड़गे का बायोडाटा नोट करें और देश के किसी भी बड़े नेता से तुलना करें- वे नौ बार विधायक रहे। दो बार लोकसभा सांसद और फिलहाल राज्यसभा सांसद हैं। वे राज्य सरकार में मंत्री रहे और तीन बार मुख्यमंत्री बनते बनते रह गए। वे केंद्र सरकार में मंत्री रहे। कांग्रेस विपक्ष में आई तो लोकसभा में पार्टी के नेता बने और अभी राज्यसभा में कांग्रेस के नेता हैं। वे कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्ष रहे और अब राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। तमाम उतार-चढ़ाई और अच्छे-बुरे दिनों के बावजूद वे कांग्रेस में बने रहे और अपनी शिकायतों के बावजूद पार्टी के अनुशासित सिपाही की तरह काम किया। जो भी जिम्मेदारी मिली उसे दिल से निभाया। कांग्रेस के एक सामान्य कार्यकर्ता से कांग्रेस अध्यक्ष बनने का खड़गे का सफर कांग्रेस और दूसरी सभी पार्टियों के नेताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

बिल्डर हसन खान और इसके पार्टनर सय्यद जफर खान के अवैध निर्माणों पर क्यों मेहरबान है दिवा प्रभाग समिति (टीएमसी)?

मुंब्रा शिलफाटा कौसा के पास खान कम्पाउंड के अवैध बिल्डिंगों पर कब चलेगा दिवा प्रभाग समिति (टीएमसी) हथौड़ा?

आखिर दिवा प्रभाग समिति (टीएमसी) इन बिल्डरों पर कार्रवाई के से क्यों डर रही है, क्या इसमें दिवा प्रभाग समिति (टीएमसी) के उच्च अधिकारियों की भी मिलीभगत है? क्या दिवा प्रभाग समिति (टीएमसी) के आंखों पर रिश्वत की पट्टी बंधी हुई है?

बिल्डर हसन खान

बिल्डर सय्यद जफर

अंशकालिक / संवाददाता

मुंब्रा। मुंब्रा क्षेत्र के एनसीपी विधायक जितेंद्र आव्हाड के क्षेत्र में अवैध निर्माणकर्ताओं के हौंसले काफी बुलंद हो गये हैं। आपको बता दें कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री का आर्डर था कि अगर कहीं पर भी अवैध निर्माण होगा तो उस पर तुरंत कार्रवाई की जायेगी, लेकिन दिवा प्रभाग समिति (टीएमसी) बेखौफ होकर मुख्यमंत्री के आदेशों का भी खुलेआम उड़ा रहा है धज्जियां। दिवा प्रभाग समिति (टीएमसी) के अंतर्गत शिलफाटा कौसा के पास खान कम्पाउंड में बेखौफ धड़ल्ले से किया जा रहा है अवैध निर्माण कार्य का बांधकाम। बता दें कि बिल्डर हसन खान और इसका पार्टनर सय्यद जफर बिल्डर ये दोनों पहले से ही यहां पर अवैध बिल्डिंग का निर्माण करते आ रहे हैं, और अवैध बिल्डिंग होने की वजह से जनता को बाद में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हसन बिल्डर और इसका पार्टनर जफर बिल्डर से जब जनता अपने परेशनियों के बारे में बात करने की कोशिश करता है तो ये दोनों गुंडागर्दी पर उतारू हो जाते हैं, जिसके बाद जनता इनके डर और खौफ से खामोश बैठ जाती है, हसन बिल्डर और इसका पार्टनर जफर बिल्डर ये दोनों अपने गुंडागर्दी के दम पर बेखौफ अवैध निर्माण करते हैं। दिवा प्रभाग समिति (टीएमसी) में इसी तरह बिना किसी परमीशन के वहां पर अपने गुंडागर्दी के दम पर व रिश्वत खिलाकर बिल्डर अवैध निर्माण करके बिल्डिंगों को बनाते हैं, जब इनके बिल्डिंगों को डेमोलेशन का आदेश आता है तो ये बिल्डर वहां से भाग जाते हैं, उसके पर गरीब जनता को परेशानियां उठानी पड़ती है, जनता का सारा मेहनत का पैसा एक झटके में डूब जाता है। सवाल यह है कि जब दिवा प्रभाग समिति (टीएमसी) के अंतर्गत अवैध तरीके से बिल्डिंगों का निर्माण करके बेचा जाता है तो दिवा प्रभाग समिति (टीएमसी) के अधिकारी क्यों नहीं कार्रवाई करते हैं, या फिर अपने आंखों पर रिश्वत की पट्टी बांध कर चैन की नींद सोते हैं। हसन बिल्डर और इसका पार्टनर जफर बिल्डर जैसे लोगों पर एमआरटीपी के तहत कड़ी से कड़ी कार्रवार की जानी चाहिए, और अगर अवैध बिल्डिंगों पर बनने से पहले ही कार्रवाई करके डेमोलेशन कर दिया जायेगा तो आम गरीब जनता का पैसा डूबने से बच जायेगा। दिवा प्रभाग समिति (टीएमसी) का कहना है कि अगर आपको अवैध बिल्डिंग बनाना है तो रिश्वत का डिब्बा हमारे पास पहुंचा दो और फिर बेखौफ हो कर अवैध बिल्डिंगों का निर्माण करो आपको कोई भी परमीशन लेने की जरूरत नहीं है, आपके रिश्वत का डिब्बा ही आपका परमीशन है, यही है दिवा प्रभाग समिति (टीएमसी) का काम।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

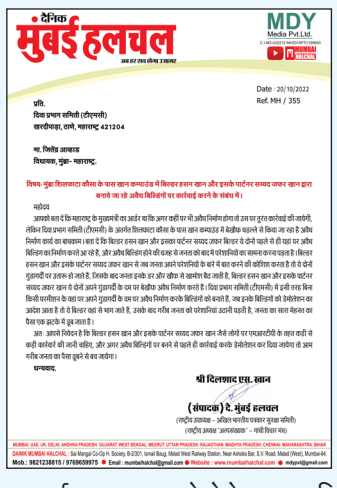

MDY Media Pvt.Ltd.
C.I.NO.U22212 MH2010PTC199650
MUMBAI HALCHAL

Date : 20/10/2022
Ref. MH / 355

प्रति.
दिवा प्रभाग समिति (टीएमसी)
खरदीपाड़ा, ठाणे, महाराष्ट्र 421204

मा. जितेंद्र आव्हाड
विधायक, मुंब्रा- महाराष्ट्र.

विषयः मुंब्रा शिलफाटा कौसा के पास खान कम्पाउंड में बिल्डर हसन खान और इसके पार्टनर सय्यद जफर खान द्वारा बनाये जा रहे अवैध बिल्डिंगों पर कारवाई करने के संबंध में।

महोदय

आपको बता दें कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री का आर्डर था कि अगर कहीं पर भी अवैध निर्माण होगा तो उस पर तुरंत कार्रवाई की जायेगी, लेकिन दिवा प्रभाग समिति (टीएमसी) के अंतर्गत शिलफाटा कौसा के पास खान कम्पाउंड में बेखौफ धड़ल्ले से किया जा रहा है अवैध निर्माण कार्य का बांधकाम। बता दें कि बिल्डर हसन खान और इसका पार्टनर सय्यद जफर बिल्डर ये दोनों पहले से ही यहां पर अवैध बिल्डिंग का निर्माण करते आ रहे हैं, और अवैध बिल्डिंग होने की वजह से जनता को बाद में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बिल्डर हसन खान और इसके पार्टनर सय्यद जफर खान से जब जनता अपने परेशनियों के बारे में बात करने की कोशिश करता है तो ये दोनों गुंडागर्दी पर उतारू हो जाते हैं, जिसके बाद जनता इनके डर और खौफ से खामोश बैठ जाती है, बिल्डर हसन खान और इसके पार्टनर सय्यद जफर खान ये दोनों अपने गुंडागर्दी के दम पर बेखौफ अवैध निर्माण करते हैं। दिवा प्रभाग समिति (टीएमसी) में इसी तरह बिना किसी परमीशन के वहां पर अपने गुंडागर्दी के दम पर अवैध निर्माण करके बिल्डिंगों को बनाते हैं, जब इनके बिल्डिंगों को डेमोलेशन का आदेश आता है तो ये बिल्डर वहां से भाग जाते हैं, उसके बाद गरीब जनता को परेशानियां उठानी पड़ती है, जनता का सारा मेहनत का पैसा एक झटके में डूब जाता है।

अतः आपसे निवेदन है कि बिल्डर हसन खान और इसके पार्टनर सय्यद जफर खान जैसे लोगों पर एमआरटीपी के तहत कड़ी से कड़ी कार्रवार की जानी चाहिए, और अगर अवैध बिल्डिंगों पर बनने से पहले ही कार्रवाई करके डेमोलेशन कर दिया जायेगा तो आम गरीब जनता का पैसा डूबने से बच जायेगा।

धन्यवाद.

श्री दिलशाद एस. खान
(संपादक) दै. मुंबई हलचल
(राष्ट्रीय उपाध्यक्ष – अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिती)
(राष्ट्रीय अध्यक्ष 'अल्पसंख्यक' – गांधी विचार मंच)

MUMBAI. UAE. UK. DELHI. ANDHRA PRADESH. GUJARAT. WEST BENGAL. MEERUT. UTTAR PRADESH. RAJASTHAN. MADHYA PRADESH. CHENNAI. MAHARASHTRA. BIHAR
DAINIK MUMBAI HALCHAL : Sai Mangal Co-Op H. Society, B-2/301, Ismail Baug, Malad West Railway Station, Near Ashoka Bar, S.V. Road, Malad (West), Mumbai-64.
Mob.: 9821238815 / 9769659975 ● Email : mumbaihalchal@gmail.com ● Website : www.mumbaihalchal.com ● mdypvt@gmail.com

वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक मनोज कुमार सम्मानित, कईयों ने दी बधाई और शुभकामनाएं

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। नेहरू युवा केंद्र भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा नेहरू युवा केंद सिद्धार्थनगर के जिला युवा अधिकारी अनुराग यादव के द्वारा अपराध का अन्त के संपादक एवं वरिष्ठ पत्रकार मनोज कुमार को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत जिला युवा उत्सव 2022-23 का अयोजन मूर्ति देवी स्मारक महाविद्यालय पकड़ी चौक सिद्धार्थनगर में सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कपिलवस्तु के सदर विधायक श्यामधनी रही, डॉ.भारत भूषण, जिला युवा कल्याण अधिकारी राम प्रताप सिंह, ब्रिजेश तिवारी, राम जीत, मनोज कुमार, विजय पांडेय, सोंनाली, कैलाश चन्द्र, कंचल लता मिश्रा इत्यादि लोग उपस्थित रहें। कार्यक्रम का विषय रहा पेंटिंग, चित्र लेखक, छायाचित्र, फोटोग्राफी, भाषण प्रतियोगिता, युवा संवाद,संस्कृति कार्यक्रम आदि। कार्यक्रम की सुरवात कपिलवस्तु के सदर विधायक जी अपने उद्बबोधन में अपने आर्शीवचन के फलस्वरूप में कहा कि मुझे बड़ा आश्चर्यचकित हो रहा है कि इस विषम परिस्थितियों में हमारे जिले के प्रतिभागि जो यहाँ इतनी भारी मात्रा में उपस्थित है उन सभी के जीवन की मंगल कामना करता हूं। पेंटिंग में प्रथम स्थान अतुल कुमार गुप्ता द्वितीय स्थान विजय कुमार तृतीय स्थान रोहित विश्वकर्मा कविता में प्रथम स्थान अंकित पांडे द्वितीय स्थान सलोनी उपाध्याय तृतीय स्थान अमितेश भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान विपुल भारद्वाज भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान विपुल भारद्वाज द्वितीय स्थान शिवम गुप्ता तृतीय स्थान प्रखर मिश्र फोटोग्राफी में प्रथम स्थान इसलावती द्वितीय स्थान नीरज तृतीय स्थान दिनेश चौरसिया सांस्कृतिक कार्यक्रम में साक्षी चतुर्वेदी प्रथम स्थान पूजा कुमारी द्वितीय स्थान विजय चौरसिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। (जैसा वरिष्ठ पत्रकार मनोज कुमार ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया)

प्रदेश अध्यक्ष के साथ भाजपा युवा नेता पाठक ने नए प्रदेश कार्यालय का निरीक्षण किया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अतुल रमेश पाठक ने युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार के साथ नए कार्यालय का निरीक्षण किया एवं प्रदेश अध्यक्ष ने पाठक के पार्टी कार्यों की प्रशंसा की। पाठक ने प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार को भिंड आने का निमंत्रण दिया , भिंड के दौरे के लिए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा दिवाली बाद भिंड के दौरे का कार्यक्रम रहेगा एवं प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार ने कहा युवा मोर्चा आने वाले हिमाचल प्रदेश और गुजरात के चुनाव में अहम भूमिका निभाएगी। साथ में प्रदेश कार्यालय मंत्री विवेक शर्मा, युवा नेता शिव मिश्रा, पुष्पेंद्र भारौली आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे। उक्त जानकारी भाजपा युवा नेता अतुल रमेश पाठक ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

पर्ल एकेडमी मुंबई की पहली मेजबानी भारत में ग्रेजुएट फैशन वीक इंटरनेशनल (GFWi)

फैशन शिक्षा पावरहाउस - एफडीसीआई के सहयोग से पर्ल एकेडमी और ग्रेजुएट फैशन फाउंडेशन ने लैक्मे फैशन वीक फॉर वीक इंटरनेशनल (जीएफडब्ल्यूआई) में प्रमुख वैश्विक फैशन स्कूलों के छात्रों का स्वागत किया। पर्ल एकेडमी ग्रेजुएट फैशन वीक इंटरनेशनल (जीएफडब्ल्यूआई) और एफडीसीआई के साथ साझेदारी में डिजाइनरों की अगली पीढ़ी को एफडीसीआईएक्सलैक्मे फैशन वीक में अपने काम का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच देने के लिए एक साथ आए। अपनी तरह के इस पहले अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन में 27 से अधिक फैशन डिजाइन स्कूलों के छात्र शामिल थे, जिनमें पर्ल अकादमी के छात्र और पूर्व छात्र शामिल थे। पर्ल एकेडमी के विभिन्न परिसरों के पूर्व छात्रों और छात्रों ने इस कार्यक्रम में अपने अभिनव डिजाइनों का प्रदर्शन किया। विषयों में लिंग रहित वस्त्र, भारतीय पर्दे पर एक अवांट-गार्डे टेक, विभिन्न क्षेत्रों से भारतीय सौंदर्यशास्त्र का द्वैत, और पारंपरिक शिल्प तकनीक, 'कांथा' को प्लास्टिक जैसी अपरंपरागत सामग्री के साथ पुनर्निर्मित करना शामिल था। पर्ल एकेडमी की अध्यक्ष अदिति श्रीवास्तव ने कहा, हम पर्ल एकेडमी में भारत में प्रवेश के लिए जीएफडब्ल्यूआई के साथ साझेदारी करने और एफडीसीआईएक्सएलएफडब्ल्यू में अपने संग्रह का प्रदर्शन करने पर गर्व महसूस कर रहे हैं। यह दुनिया में फैशन प्रतिभा के लिए सबसे बड़े और सबसे व्यापक मंच के रूप में अपनी विश्वव्यापी प्रतिष्ठा को विकसित करने और विस्तारित करने की पर्ल की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। रचनात्मक छात्र न केवल लगातार प्रेरणा की तलाश में रहते हैं बल्कि नई चुनौतियों का सामना करने और परंपराओं से आगे बढ़ने के लिए भी तैयार रहते हैं। और जीएफडब्ल्यूआई से बेहतर सहयोग और क्या हो सकता है, जो उसी का प्रतिनिधित्व करता है और उसे मूर्त रूप देता है।

चम्बल के पानी को तरस रहे नेहरू विहार वासी, पेयजल संकट को लेकर कलेक्टर से मिले कॉलोनीवासी

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान भीलवाड़ा के नेहरू विहार में पेयजल संकट के समाधान की मांग को लेकर कॉलोनीवासियों ने पेयजल संकट से कॉलोनीवासियों को निजात दिलाने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को पत्र सौंपा।सेक्टर 13 के निवासी हरिकिशन कानावत ने बताया कि शहर की सबसे बड़ी आवासीय योजना नेहरू विहार में पेयजल संकट की समस्या का समाधान अब तक नहीं होने से आमजन पानी को तरस रहे है। नगर विकास न्यास द्वारा विकसित इस कॉलोनी में चंबल के पानी का मुद्दा यूआईटी व जलदाय विभाग के बीच उलझा हुआ है। इसकी मध्यस्थता करने हेतु कॉलोनीवासियों को पेयजल संकट से निजात दिलाने एवं अतिशीघ्र चम्बल का पानी दिलवाने की मांग की गई। नेहरू विहार के अक्षय सारस्वत, हरिकिशन कानावत, जितेन्द्र सोनी, देवीलाल ओझा, लादू नागर, नाथु जीनगर, संजू जीनगर, राहुल पोरवाल, हरीश आचार्य, राकेश खटीक, गोपाल दाधीच, श्याम लाल दाधीच, बाबू लाल शर्मा,राजेश कुमार, कमलेश शर्मा, घनश्याम नील, सुभाष कुमार, भागचन्द जाट, विपिन आर्य, हिम्मत कुमार जगदीश चन्द्र खटीक, अशोक सोलंकी, पंकज डीडवानिया सहित नेहरू विहार के निवासी उपस्थित रहे। उक्त जानकारी हरिकिशन सिंह कानावत ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

उत्सर्जन व विसर्जन स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं: डा. सुषमा आर्या आयुवेर्दाचार्य

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'उत्सर्जन और विसर्जन अनिवार्य' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल में 458 वां वेबीनार था। मुख्य वक्ता डॉ. सुषमा आर्या आयुवेर्दाचार्या ने कहा कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए उत्सर्जन व विसर्जन दोनो ही अनिवार्य हैं। मानसिक दुर्भावनाओं का त्याग विसर्जन कहलाता है और शारीरिक पसीना, कार्बन मल इत्यादि पदार्थों का त्याग उत्सर्जन कहलाता है विसर्जन और उत्सर्जन दीघार्यु प्रदान करते हैं। जबकि आज विसर्जन का अर्थ मूर्तियों का बहाना, अस्थियों का पानी में डालना अथवा जो मूर्ति टूट गई उसको पानी में बहा कर प्रदूषण पैदा करना विसर्जन कहलाता है जो कि अत्यंत चिंताजनक है जिस मूर्ति की दस दिन तक पूजा करते हैं उसे हम पानी में फेंके यह अच्छी बात नहीं है। उत्सर्जन शरीर को शुद्ध रखने में,स्वस्थ रखने में बहुत काम आता है। मनुष्य के बहुत सारे उत्सर्जी अंग हैं जो मल को, दुर्गंध को, गैस को,अतिरिक्त पानी को, मल को बाहर निकालते रहते हैं जैसे त्वचा फेफड़े, बड़ीआंत, लीवर, यूरिन ब्लैडर, किडनी इत्यादि को स्वस्थ रखना बहुत जरूरी है।समय समय पर सही भोजन, सात्विक भोजन, योग प्राणायाम दीघार्यु प्रदान करते हैं इन अंगों को शुद्ध रखना स्वस्थ रखने के लिए दाल चीनी,अर्जुन की छाल, किशमिश लॉन्ग, आंवला,धनिया इत्यादि का पानी टमाटर सूप इत्यादि अत्यंत आवश्यक है और विसर्जन को बनाए रखने के लिए अध्यात्मिक ज्ञान की आवश्यकता है,दान की आवश्यकता है, अपने कार्यों से अपनी कमाई से दान करना, विद्या दान इत्यादि करना यह सब विसर्जन कहलाता है। मार्कशीट उत्सर्जन और विसर्जन दोनों को अनिवार्य बताया है। दीपावली के अवसर पर हम सभी उत्सर्जन और विसर्जन के सही अर्थ को समझें यही इसकी सार्थकता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने संचालन करते हुए कहा कि उत्सर्जन के बाद विसर्जन जीवन का स्वाभाविक प्रक्रिया है। मुख्य अतिथि प्रिंसिपल चंद्र कांता गेरा(कानपुर) व अध्यक्ष चंद्रकांता आर्या (सोनीपत) ने भी बहुत प्रेरणादायक विचार रखे। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि योग द्वारा हम दोनो ही प्रक्रियाओं को सुचारू रख सकते हैं। गायिका सुदेश आर्या,कमला हंस, दीप्ति सपरा, सुदर्शन चौधरी, कुसुम भंडारी, ईश्वर देवी,जनक अरोड़ा, कौशल्या अरोड़ा, प्रतिभा कटारिया व रविन्द्र गुप्ता आदि के मधुर भजन हुए। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

देश की सरकारों ने बेनाम देशभक्त क्रांतिकारियों को भुला दिया है: फौजदार

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

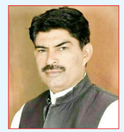

राजस्थान। हमारे देश को आजाद कराने में कई बेनाम देशभक्त क्रांतिकारियों ने अपनी भूमिका निभाते हुए अपना सबकुछ खपा दिया है। भारतीय नौजवान इन्कलाब पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष खेम सिंह फौजदार ने अपने विचार राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ से साझा करते हुए कहा कि आज देश की विगत सरकारों के उदासीन रवैए के चलते क्रांतिकारियों के नाम लुप्तप्राय हो गए हैं। जिन्हें आज भी जानने पहचानने और समझने की आवश्यकता है। आज भी दिग्भ्रमित होती युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की सख्त आवश्यकता हैं। क्रांतिकारियों के प्रति देश की विगत सरकारों के उदासीन रवैए को देखकर दिल में भारी पीड़ा और दुःख होता है कि सरकारों ने अपने देश को आजाद कराने में अपनी भूमिका निभाने वाले जुझारु देशभक्तों को नजरंदाज नहीं किया होता तो इस देश की तकदीर और तस्वीर आज कुछ अलग ही होती। उन्होंने राजनेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 70 सालों तक देश पर एकछत्र राज करने वाली राजनीतिक पार्टियों ने देश का बंटाधार कर दिया है। उन्होंने कहा कि आज भी भ्रष्टाचार करके देश और जनता की गाढ़ी कमाई को कुंडली मारकर बैठने वाले इन राजनेताओं की सीबीआई जांच होनी चाहिए। जो भ्रष्टाचार करके बैठे हुए हैं उन्हें तत्काल प्रभाव से जेल में डालना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी भारतीय नौजवान इन्कलाब पार्टी भ्रष्टाचारियों के खिलाफ काम कर रही हैं तथा क्रांतिकारियों के बारे में छिपे रहस्यों से पर्दा उठाकर जनता उन राज को जनता तक पहुंचाने का काम युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने सच्चे राष्ट्रवादी युवाओं से पार्टी से जुड़ने का आह्वान किया हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में देश के भ्रष्टाचारियों के खिलाफ पार्टी द्वारा युद्धस्तर पर अभियान चलाकर उसके कारनामों को उजागर करते हुए जनता को अवगत कराया जाएगा तथा पार्टी बेनाम देशभक्त क्रांतिकारियों के देश के लिए दिए गए योगदान को याद करते हुए जनता को अवगत कराया जाएगा।

प्रभावित किसानों को 50 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर की मदद दी जाए: जयश्रीताई शेलके

बुलढाणा। वापसी की बारिश से जिले की 31 हजार 527 हेक्टेयर फसल को नुकसान पहुंचा है। सरकार को तत्काल सर्वेक्षण कर प्रभावित किसानों को 50, हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की मदद देनी चाहिए,ऐसी मांग कांग्रेस की प्रदेश सचिव जयश्रीताई शेलके ने 19 अक्टूबर को जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री से की है। जिले में पिछले 8 से 15 अक्टूबर के बीच बारिश के कारण सोयाबीन, कपास, सब्जियां, उड़ीदा को भारी नुकसान हुआ है। सोयाबीन, उड़द, अरहर, सब्जियां, कपास को भारी नुकसान हुआ। दो दिन में दिवाली आ गई। इस साल किसान खरीप की फसल पर निर्भर थे। फसलें भी अच्छी थीं। किसानों ने सपना देखा कि सोयाबीन और कपास की बिक्री से मिले पैसों से दिवाली मनाएं। लेकिन प्रकृति आफत बन कर उनके सपनों पर पानी फेर दिया।सरकार को किसानों के साथ खड़े होने की जरूरत है। प्रभावित किसानों के लिए बहुत मदद की जरूरत है। मुख्यमंत्री को दिए निवेदन में जयश्रीताई शेलके ने मांग की है कि भारी बारिश से हुए नुकसान का तत्काल सर्वे किया जाए और किसानों के खातों में सहायता राशि जमा की जाए।

कानपुर के बहुचर्चित ज्योति हत्याकांड में पति, प्रेमिका समेत आधा दर्जन दोषी करार

मुंबई हलचल/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां गुरुवार को आठ साल पुराने बहुचर्चित ज्योति हत्याकांड में न्यायालय ने उसके पति प्रेमिका और ड्राइवर समेत आधा दर्जन लोगों को दोषी करार दे दिया है जबकि साक्ष्य के अभाव में पीयूष की मां और उसके दोनों भाइयों को बरी कर दिया गया है इनमें से पीयूष के पिता विस्कुट व्यापारी ओमप्रकाश श्याम दासानी की मौत हो चुकी है। अब सजा के बिंदु का निर्धारण होना है। अवगत कराते चलें कि 27 जुलाई 2014 को कानपुर के पांडुनगर निवासी बिस्कुट व्यापारी ओमप्रकाश श्यामदासानी की बहू ज्योति श्यामदासानी की हत्या हो गई थी, जिसके बाद ज्योति के पति पीयूष ने ने स्वरूप नगर पुलिस को दी सूचना में बताया था कि ज्योति का अपहरण हो गया है। पुलिस को दी गई सूचना के बाद भी उसी दिन आधी रात लगभग दो बजे पनकी में ज्योति का खून से लथपथ शव कार में मिला था। उस समय संदेह के आधार पर हिरासत में लिया गया पीयूष पुलिस की पूछताछ में टूट गया था और लूट व अपहरण की वारदात का सच बता दिया था। जिसके बाद पुलिस ने पीयूष, उसकी प्रेमिका मनीषा मखीजा, मनीषा के ड्राइवर अवधेश कुमार चतुर्वेदी, पीयूष से सुपारी लेकर हत्या की साजिश रचने वाले आशीष कश्यप व सुपारी किलर रेनू उर्फ अखिलेश कनौजिया और सोनू कश्यप के अलावा पुलिस को घटना की जानकारी न देने के आरोप में पीयूष के पिता ओम प्रकाश, मां पूनम व दो भाइयों मुकेश और कमलेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चार्जशीट कोर्ट भेजी थी। पुलिस के अनुसार इस बीच रेनू और सोनू के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत भी मुकदमा दर्ज किया गया था। रेनू के पास से पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू और ज्योति के गहने बरामद किए थे। जानकारी के मुताबिक इनमें से अवधेश, रेनू और सोनू घटना के बाद से जेल में ही बंद हैं जबकि बाकी आरोपियों को जमानत मिल गई थी। फिलहाल दोषी करार दिए जाने के बाद यह हत्याकांड एक बार फिर चर्चा का विषय बना हुआ है।

8 साल पहले हुए इस बहुचर्चित हत्याकांड में साक्ष्य के अभाव में ज्योति की सास ससुर और उनके दोनों बेटे बरी बिस्कुट व्यापारी ओम प्रकाश श्याम दासानी के हो चुकी है मौत

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी के विरुद्ध में शुरू किया गया एमआईएम पार्टी द्वारा डोर टू डोर सर्वे अभियान

पांच दिनों के सर्वे में उपभोक्ता द्वारा भरे गए 2000 फॉर्म

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंब्रा। जबसे टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी का प्रवेश मुंब्रा कलवा दिवा शिल में हुआ है तब से कोई न कोई विवाद के कारण टोरेंट पावर लिमिटेड अक्सर अखबारों की सुर्खियों में नजर आती है चाहे वह पीडी बकाया बिल का मामला हो या बढ़ते बिल को लेकर या मीटर जबरन बदली को लेकर विवादों में अक्सर नजर आती है शहर के हर राजनीतिक पार्टी द्वारा अपनी आवाज टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी के विरुद्ध में बुलंद की जा रही है इन तमाम मुद्दों को लेकर एमआईएम पार्टी द्वारा डोर टू डोर सर्वे अभियान की शुरूआत की गई है यह शुरूआत गत 16 अक्टूबर रविवार से की गई है इस मामले में एमआईएम पार्टी के कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष सैफ पठान ने दैनिक मुंबई हलचल के पत्रकार अब्दुल समद खान से बात करते हुए उन्होंने बताया टोरेंट पावर को लेकर काफी शिकायतें हमारे कार्यालय पर उपभोक्ताओं की आ रही थी टोरेंट का बिल बढ़कर आ रहा है टोरेंट कार्यालय में कुछ सुनवाई नहीं की जाती पीडी का बकाया बिल वसूला

जा रहा है जबरन सही मीटर बदली किए जा रहे हैं इस तरह की काफी शिकायतें मेरी कार्यालय पर आ रही थी उसको मद्देनजर रखते हुए हमारी पार्टी द्वारा डोर टू डोर सर्वे अभियान की शुरूआत की गई है हम लोगों ने सर्वे फॉर्म बनाया है जिसमें 15 सवाल उपभोक्ताओं से किए गए और खास तौर पर हम लोगों ने जनता से यह जानने की कोशिश की है की जनता टोरेंट पावर की सुविधाओं से संतुष्ट है या नहीं अगर हम लोगों को जनता की तरफ से टोरेंट पावर के विरुद्ध में शिकायतें आएंगी या उनकी सुविधा से संतुष्ट के समाचार अगर मिलते हैं तो हम लोग उस की तादाद देखेंगे और उस पर आगे क्या निर्णय लिया जाएगा उस समय देखा जाएगा फिलहाल हम लोगों ने शिल मुंब्रा कलवा डिवीजन में 3,50,000/-सर्वे फॉर्म बनाए हैं जिसमें से पांच दिनों सर्वे में उपभोक्ताओं द्वारा दो हजार फॉर्म हमारी पार्टी द्वारा भरे गए हैं गौरतलब बात यह है उपभोक्ता ने टोरेंट के बढ़ते बिल को लेकर काफी शिकायत की है लोगों ने हमसे कहा है जब से टॉरेंट आई है हमारे बिल बढ़कर आ रहे हैं पहले एमएसईडीसीएल थी उस वक्त बिल इतना नहीं आता था लेकिन जब से टोरेंट का मामला आया है तब से बिजली बिल बढ़कर आ रहे हैं इस तरह की काफी शिकायत उपभोक्ताओं द्वारा हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं पदाधिकारी से उस वक्त की गई जब वह डोर टू डोर सर्वे कर रहे थे फिलहाल हमारा यह डोर टू डोर अभियान जारी रहेगा हमारी पूरी टीम इस सर्वे अभियान के पीछे मेहनत कर रही है और हमारा यह आंकड़ा पूरा होने के बाद हम इसकी शिकायत एमएसईडीसीएल से करेंगे और महाराष्ट्र राज्य के ऊर्जा मंत्री से शिकायत की जाएगी और अगर शहर के लोगों को इंसाफ नहीं मिला तो हम न्यायालय का दरवाजा खटखटा एंगे किसी भी हाल में टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी को मुंब्रा कलवा दिवा शिल से वापस भेज देंगे उन्होंने बताया जिस तरह से नागपुर में प्राइवेटाइजेशन 8 साल बाद वापस भेजा गया औरंगाबाद और मालेगांव में भी इस तरह के टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी को भी वापस जाना पड़ेगा फिलहाल अब देखना यह है जिस तरह से एमआईएम पार्टी द्वारा टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी के विरुद्ध में चलाया गया डोर टू डोर सर्वे अभियान कितना कामयाब होता है क्या एम आई एम पार्टी टोरेंट पावर लिमिटेड को शहर से चलता करा देगी यह तो समय ही बताएगा क्योंकि समय बड़ा बलवान होता है।

नशे को रोकने के संबंध में नशेड़ी युवक द्वारा किया गया युवक पर जानलेवा हमला

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंब्रा। नशे का विरोध करने पर नशेड़ी युवक द्वारा हमला करने का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में विश्वसनीय सूत्रों द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार रोशन वर्ष 32 रहवासी अमृत नगर परिसर का बताया जा रहा है इस मामले में मिली जानकारी के अनुसार रोशन नाम के युवक द्वारा अमृत नगर परिसर में नशेड़ी रेहान उर्फ पच्चीस वर्ष 20 द्वारा नशे बेचन करने का कारोबार किया करता था इसका विरोध करने पर और नशे का कारोबार बंद करने की बात को लेकर नशेड़ी रेहान उर्फ पच्चीस ने रोशन नाम के

युवक पर खड़ी मशीन रोड पर धारदार हत्यार से गले पर वार कर दिया और उनकी जेब से जबरन 18,630 रुपए निकाल लिए बताया जा रहा है यह रोशन नाम का युवक जो गाड़ी चलाने का काम किसी नेता के यहां करता है स्थानीय रहवासियों की मदद से रोशन को नजदीकी अस्पताल में उपचार हेतु के लिए भर्ती कराया गया उनके द्वारा दिए गए बयान पर मुंब्रा पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए रेहान उर्फ पच्चीस के विरुद्ध में भारतीय दंड संहिता की धारा 307 के तहत मामला दर्ज कर सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी गई थी और ठाणे मजीवाड़ा परिसर से गिरफ्तार कर लिया गया और आगे की छानबीन मुंब्रा पुलिस द्वारा की जा रही है।

महाराष्ट्र सरकार फसल को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए उपग्रहों का सहारा लेगी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार विभिन्न कारणों से फसलों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए उपग्रहों के इस्तेमाल की योजना बना रही है। इससे किसानों को मुआवजे के भुगतान में भी तेजी आएगी। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राज्य प्रशासन ने बुधवार को इस विषय पर राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के समक्ष एक प्रस्तुति दी, जिसके बाद फडणवीस ने अधिकारियों से प्रस्ताव पर आगे की कार्यवाही करने को कहा।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मुंबई में इजाजत बगैर पटाखे बिक्री पर पाबंदी

दिवाली के दिनों में बाजारों में अवैध पटाखों की बिक्री बड़ी तादाद में होती है। विक्रेता दुकानों के बाहर सड़कों के फुटपाथ पर पटरे बिछाकर उस पर चादर डालकर पटाखे बेचना शुरू कर देते हैं। परमिशन के बगैर इस तरह पटाखों की बिक्री ना सिर्फ अवैध बिक्री का मामला है बल्कि इससे आग लगने की किसी बड़ी दुर्घटना और जान-माल के किसी बड़े नुकसान की आशंका भी है। ऐसे विक्रेताओं के पास ऐसी घटनाओं से बचने के लिए सुरक्षा संबंधी तैयारियां नहीं होती हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए मुंबई पुलिस ने बिना इजाजत पटाखे बिक्री पर पाबंदी लगा दी है। मुंबई पुलिस उपायुक्त संजय लाटकर द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। इस सूचना में यह लिखा है कि जनता को जोखिम, दुर्घटनाओं या संभावित नुकसान को टालने के लिए मुंबई शहर के सीमाक्षेत्र में किसी भी सार्वजनिक ठिकाने पर कोई शख्स पटाखे बिक्री ना करे। जिनको पटाखे बेचने की इजाजत मिली हुई है, वे ही पटाखे बेचने का काम करें।

मुंबई में 3 जगहों को बम से उड़ाने की मिली धमकी

कॉलर की पहचान होते ही आगे का ऐक्शन लिया जा सकेगा। कॉलर का फोन पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 पर आया है। फोन करने वाले के बारे में अब तक कुछ भी जानकारी हासिल नहीं हो पाई है। सहार एयरपोर्ट की पुलिस, जुहू, आंबोली और बांगूर नगर पुलिस स्टेशन की टीम और सीआईएसएफ और बीडीडीएस की टीम ने जांच का काम शुरू कर दिया है। पुलिस ने कॉलर द्वारा बताए गए तीनों ठिकानों पर जांच की, लेकिन अब तक इन ठिकानों पर किसी भी तरह का कोई विस्फोटक या संदिग्ध चीज बरामद नहीं हुई। मुंबई पुलिस जांच में जुटी हुई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मुंबई पुलिस के हेल्पलाइन नंबर 112 पर मंगलवार रात साढ़े दस बजे फोन आया था। मुंबई पुलिस फोन करने वाले का पता लगा रही है। जैसे ही उसके बारे में कोई जानकारी मिलती है, पुलिस अगले ऐक्शन को तेज करेगी। फिलहाल कॉलर की पहचान की जा रही है। एक अनजान शख्स ने मंगलवार की रात साढ़े दस बजे मुंबई पुलिस के हेल्पलाइन नंबर 112 पर कॉल कर मुंबई के तीन ठिकानों बम विस्फोट होने की जानकारी दी। कॉलर ने बताया कि ये बम ब्लास्ट अंधेरी में मौजूद इनफिनिटी मॉल, जुहू के पीवीआर और एयरपोर्ट के पास सहारा होटल के पास होंगे।

मुंबई के मशहूर बिल्डर पारस पोरवाल ने की आत्महत्या

आत्महत्या की वजह की अभी तक सामने नहीं आई है। पारस पोरवाल के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पोरवाल दक्षिणी मुंबई के मशहूर बिल्डरों में से एक थे। उनकी आत्महत्या की कोई वजह अब तक सामने नहीं आई है। उनकी आत्महत्या से उनका परिवार सदमे में है। यह खबर जानकर बिल्डर और डेवलपर्स भी हैरान हैं। मुंबई के कालाचौकी पुलिस स्टेशन की पुलिस सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची है और रिश्तेदारों और दोस्तों से आत्महत्या की वजह जानने की कोशिश कर रही है।

महाराष्ट्र : रायगढ़ में कंपनी का कंप्रेसर हुआ ब्लास्ट

वहीं, इस मामले में कंपनी के मैनेजमेंट ने बताया है कि कंपनी के प्लांट में कोई लीकेज नहीं है और प्लांट ठीक से चल रहा है। घटना के बाद कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल रहा। ब्लास्ट इतना तेज था कि इसकी आवाज आसपास के घरों तक भी सुनाई दी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

नाइटमेयर डिसऑर्डरः डराके गया सपना...!

कभी-कभार आने वाले डरावने सपने सामान्य बात हैं, मगर यदि यह नियमित सिलसिला बन जाए, तो इसे विकार माना जाता है, जिसका उपचार जरूरी है।

सपने सब देखते हैं, भले ही कुछ लोगों को जागने पर ये याद न रहते हों। नींद की अवस्था में हमारा मस्तिष्क जो वैकल्पिक यथार्थ या काल्पनिक फिल्म रचकर प्रदर्शित कर देता है, उसी को हम सपना कहते हैं। मसाला फिल्मों की ही तरह हमारे सपनों में एक्शन, इमोशन, रोमांस, कॉमेडी आदि सारे तत्व मौजूद रहते हैं- कुछ कम, तो कुछ ज्यादा। कभी-कभी ये सपने हॉरर फिल्म के रूप में भी सामने आते हैं। इन्हें हम डरावना सपना, बुरा सपना, नाइटमेयर या दुःस्वप्न कहते हैं। बच्चों को डरावने सपने आना आम बात है, जिसके कारण वे रोते हुए जाग जाते हैं। मगर ऐसा नहीं है कि वयस्कों को डरावने या बुरे सपने नहीं आते। यदा-कदा ऐसे सपने हर किसी को आते हैं। डर के मारे आपकी नींद टूट जाती है, आप हड़बड़ाकर उठ बैठते हैं, धड़कन व सांस तेज चलती हुई महसूस होती है। फिर, आपको एहसास होता है कि यह तो महज एक सपना था...। तब धीरे-धीरे आप सामान्य होने लगते हैं। मगर जब यह एक नियमित सिलसिला बन जाए, बार-बार डरावने सपने के कारण आपकी नींद टूट जाए, इन सपनों के खौफ के कारण आप सोने से ही कतराने लगें, तो इसे मानसिक विकार माना जाता है, जिसे उपचार की जरूरत होती है। इसे नाइटमेयर डिसऑर्डर या पैरासोम्निया कहते हैं।

नाइटमेयर डिसऑर्डर के कारण

इस डिसऑर्डर के कई कारण हो सकते हैं। एक प्रमुख कारण तो जीवन में हुई कोई त्रासद घटना ही हो सकती है। किसी वजह से यदि आप लगातार तनाव या डिप्रेशन में हैं या फिर व्यग्र हैं, तो भी आपको नियमित रूप से बुरे सपने आ सकते हैं। शराब या ड्रग्स का सेवन भी दुःस्वप्नों का कारण बन सकता है, वहीं इनकी लत छुड़ाने की प्रक्रिया के दौरान भी ऐसे सपने आ सकते हैं। इसी प्रकार किन्हीं दवाइयों के सेवन से या फिर इनका सेवन अचानक बंद कर देने से भी नाइटमेयर डिसऑर्डर की स्थिति बन सकती है। स्लीप एप्निया (नींद के दौरान सांस लेने में परेशानी से जुड़ी समस्या) से ग्रस्त लोग भी नियमित रूप से डरावने सपनों के शिकार हो सकते हैं। कई बार लगातार पर्याप्त नींद से वंचित रहने वाला व्यक्ति जब सोता है, तो ऐसे सपनों का शिकार हो जाता है। इसके अलावा नियमित रूप से डरावनी फिल्में देखने या डरावनी कहानी-उपन्यास पढ़ने वाले लोगों को भी ऐसे सपने आ सकते हैं। सोने से ठीक पहले भारी भोजन करना भी इसका कारण बन सकता है।

पहचान और उपचार

यदि सप्ताह में एक से अधिक बार डरावने सपने आएं, यह सिलसिला लगातार बना रहे और इसके कारण आपकी नींद बार-बार बाधित हो तथा दोबारा नींद आना मुश्किल हो जाए, तो आपको डॉक्टर को दिखाना चाहिए। डॉक्टर पॉलीसोम्नोग्राफी नामक टेस्ट कराने को कह सकते हैं, जिसमें नींद के दौरान हृदय गति, मस्तिष्क तरंगों, ऑक्सीजन के स्तर, सांसों तथा आंखों व टांगों की हरकतों को रेकॉर्ड करने के लिए शरीर के विभिन्ना हिस्सों में सेंसर लगाए जाते हैं। इस टेस्ट के परिणाम के आधार पर डॉक्टर उपचार तय कर सकते हैं। यदि डरावने सपनों का कारण तनाव या डिप्रेशन है, तो उसका उपचार किया जाता है। यदि किसी दवाई के साइड इफेक्ट के कारण ऐसा हो रहा है, तो डॉक्टर वैकल्पिक दवाई बता सकते हैं। नशीले पदार्थ यदि कारण है, तो उनका सेवन बंद करने से दुःस्वप्नों की समस्या भी दूर हो सकती है।

लो ब्लड प्रेशर

सतर्कता से करें नियंत्रित

मन और शरीर में चलने वाली उथल-पुथल का असर स्वास्थ्य पर पड़ना बहुत स्वाभाविक है। लो ब्लड प्रेशर के पीछे भी इसी तरह के कारण हो सकते हैं। ऐसे में लाइफस्टाइल और खानपान में सुधार तथा अन्य तरह से सतर्कता रखकर बहुत हद तक इस समस्या को नियंत्रित किया जा सकता है।

लक्षणों को लेकर रहें सतर्क

लो ब्लड प्रेशर के ऐसे केसेस जहां लक्षण नहीं होते, सामान्य तौर पर कोई नुकसान नहीं पहुंचाते। लेकिन इसके लक्षणों का उभरना सतर्क हो जाने का इशारा हो सकता है। लक्षणों में मुख्य रूप से शामिल हैं:

- चक्कर आना या सिर घूमना
- चक्कर खाकर गिर जाना
- एकाग्रता में कमी होना
- धुंधला दिखाई देना, नौशिया
- त्वचा का ठंडा पड़ जाना
- त्वचा का चिपचिपा या पीला पड़ जाना
- सांस का असामान्य होना
- थकान लगना आदि।

ऐसे उपजती है तकलीफ

ब्लड प्रेशर का लो होना या हाइपोटेंशन की तकलीफ का मतलब है रक्त के दबाव का 90/60 से भी कम होना। यूं सामान्य तौर पर थोड़ा-बहुत या बिना लक्षणों के ब्लड प्रेशर का लो हो जाना कोई समस्या पैदा नहीं करता लेकिन यदि इसके लक्षण स्पष्ट नजर आने लगें और बार-बार यह तकलीफ उभरने लगे, तो यह किसी अंदरूनी समस्या की ओर इशारा हो सकता है।

जैसे- मस्तिष्क, हृदय तथा अन्य प्रमुख अंगों तक रक्त के प्रवाह का अपर्याप्त होना। खासकर उम्र के बढ़ने पर इस तरह की समस्याओं के उपजने का खतरा और बढ़ सकता है। कई बार बहुत देर तक बैठे या लेटे रहकर उठने पर या लंबे समय तक खड़े रहने पर भी ब्लड प्रेशर लो हो सकता है। इसे पोस्चरल हाइपोटेंशन कहा जाता है। कई सारी अन्य ऐसी स्थितियां हैं, जो लो ब्लड प्रेशर का कारण बन सकती हैं। इनमें गर्भावस्था, हार्मोनल समस्याएं जैसे थाइरॉइड या डायबिटीज आदि, कुछ विशेष औषधियां, अल्कोहल का अधिक सेवन, हृदय संबंधी अनियमितताएं, रक्त वाहिकाओं का चौड़ा होना या फैलना और लिवर डिसीज आदि शामिल हैं। वहीं दुर्घटना, बीमारी या किसी अन्य कारण से ब्लड प्रेशर का एकदम से बहुत लो हो जाना खतरे का संकेत भी हो सकता है।

डाइट में चुनें सही विकल्प

भोजन और जीवनशैली में परिवर्तन, इस समस्या के संदर्भ में बड़ी राहत दे सकता है। कुछ इस तरह उपाय अपनाएं:

- पानी भरपूर मात्रा में पीएं। इससे रक्त की मात्रा में वृद्धि होती है तथा डिहाइड्रेशन से लड़ने में मदद मिलती है
- लंबे समय तक खड़े रहने या बैठने के बाद उठने पर यदि आपको समस्या होती है, तो उठने की गति को नियंत्रित करें। सुबह सोकर उठते समय तेजी से उठने की जगह पहले लेटे-लेटे कुछ गहरी सांसें लीजिए, फिर धीरे से बैठिए और फिर खड़े होइए। सोते समय सिर को थोडा ऊंचा रखना भी काफी मदद करेगा
- अपने डॉक्टर के मार्गदर्शन से व्यायाम को नियमित रूप से अपनाइए
- भोजन को छोटे-छोटे कई टुकड़ों में बांटकर खाइए
- आलू, चावल, पास्ता, नूडल्स और ब्रैड जैसे हाई काबोर्हाइड्रेट फूड का सेवन कम से कम करें
- अल्कोहल का सेवन बंद करने की कोशिश करें
- चाय या कॉफी का सेवन लाभ दे सकता है लेकिन इसकी मात्रा को लेकर डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें
- व्हाइट चौला फली, सादा दही, कीवी फ्रूट, आड़ू, केला, लाल शिमला मिर्च, ब्रोकली, शकरकंद, क्विनोआ, एवोकाडो आदि इस समस्या के लिए सुपरफूड हो सकते हैं।

भोजन की गंध से जी मितलाए?

गर्भावस्था के शुरूआती महीनों में जी मिचलाना और मितली आना, खासकर सुबह-सुबह, एक सामान्य लक्षण है। इसे मॉर्निंग सिकनेस कहा जाता है। इससे समायोजन करने के लिए तरह-तरह के उपाय भी बताए जाते हैं, जैसे सुबह उठते ही बिस्किट जैसा कुछ थोड़ा-सा खा लेना। दिन भर में किसी भी वक्त भारी भोजन करने के बजाए, थोड़ी-थोड़ी देर में, थोड़ा-थोड़ा खाना वगैरह। इस असुविधा को स्त्रियां आराम से निभा ले जाती हैं।

लेकिन हममें से कइयों ने सुना होगा कि फलां बुआ तो गर्भावस्था में पानी तक नहीं पी पाती थीं, उसे भी पहले घूंट में ही उगल देती थीं या फलां दीदी को तो भोजन की सुगंध से ही मितली आती थी। दरअसल कुछ स्त्रियों की तकलीफ मॉर्निंग सिकनेस से काफी गंभीर होती है। मॉर्निंग सिकनेस की तरह सामान्य उपायों से कम भी नहीं होती। गर्भावस्था में मितली और जी मितलाने के इन गंभीर लक्षणों को हाइपरेमेसिस ग्रेविडेरम कहा जाता है। अक्सर परिवार के लोग समझ नहीं पाते कि यह मॉर्निंग सिकनेस से अलग है, अतः हाइपरेमेसिस की शिकार स्त्रियां घर वालों के तानों की भी शिकार होती हैं मसलन, 'इन्हें तो अनोखा ही होने वाला है, 'अरे हमें भी तो बच्चे हुए थे, हमारा भी जी घबराता था मगर हमने ऐसे नाटक कभी नहीं किए कि रसोई में घुसने से ही इनकार करें वगैरह।

दरअसल इस समस्या की शिकार गर्भवतियों को तानों की नहीं सहानुभूति, प्यार और देखभाल की जरूरत होती है ताकि वे अपनी तकलीफ हंसते-हंसते सह जाएं। इन्हें बराबर अपने चिकित्सक के भी संपर्क में रहना चाहिए ताकि सुरक्षित समझने पर डॉक्टर इन्हें कोई दवा भी दे सके। गर्भवती, उसके पति और परिवार सभी के लिए जरूरी है कि वे गर्भावस्था के वैज्ञानिक पहलुओं को समझें और तदनुसार गर्भवती महिला की देखभाल करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सलमान की उम्मीदों पर खास दोस्त ने फेरा पानी

सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ऊंचाई' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। ट्रेलर देखने के बाद फैंस काफी खुश नजर आ रहे है। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, बमन ईरानी, नीना गुप्ता, परिणीति चोपड़ा और अनुपम खेर नजर आने वाले है। इस फिल्म को लेकर अब खबर आ रही है कि सलमान खान इस फिल्म में काम करना चाहते थे। खुद सलमान ने इस बात का खुलासा किया था, लेकिन उनके खास दोस्त और मशहूर फिल्म निमार्ता सूरज बड़जात्या ने उन्हें रिजेक्ट कर दिया। खबरों की मानें तो जब इस बारे में सूरज बड़जात्या से पूछा गया तो उनका कहना था कि इस फिल्म में उन्हें एकदम अलग कास्ट चाहिए थी। साथ ही उन्होंने कहा कि वो इस फिल्म के लिए ऐसे स्टार्स को कास्ट करना चाहते थे जो पहाड़ पर चढ़ न पाते हो और उन्हें पता है कि सलमान खान पहाड़ पर चढ़ सकते है। इस वजह से ही उन्होंने सलमान खान को इस फिल्म में लेना सही नहीं समझा। अब वजह चाहे जो भी हो, लेकिन सलमान खान के दिल की इच्छा पूरी नही हो सकी, ये बात जानकर उनके फैंस काफी निराश नजर आ रहे है। सलमान खान और सूरज बड़जात्या की दोस्ती से हर कोई वाकिफ है। सलमान सूरज बड़जात्या की कई फिल्मों में नजर आ चुके है, लेकिन अब सूरज बड़जात्या ने अपनी फिल्म 'ऊंचाई' में सलमान खान को लेने से मना कर दिया है।

नेपोटिज्म पर बोली यामी गौतम

बॉलीवुड में यामी गौतम अपना एक अलग ही पहचान रखती हैं। एक्ट्रेस भले ही बॉलीवुड में चुनिंदा फिल्में ही करती हैं। लेकिन उन्ही फिल्मों से यामी ने अपने फैंस के दिलों में एक अलग ही जगह बना ली हैं। वही बॉलीवुड में नेपोटिज्म को लेकर आज से नहीं बल्कि काफी समय पहले से ही ये विवाद का मुद्दा बना हुआ रहता हैं। ऐसे में अब यामी गौतम ने फिर से इस मुद्दे को उजागर कर दिया हैं। और एक्ट्रेस ने इस पर अपनी राय रखते हुए ऐसी बातें कह दी हैं। दरअसल यामी ने फैंस के साथ आस्क मी एनीथिंग सेशन किया, जिसमें उन्होंने कई सवालों के जवाब दिए। इस दौरान एक यूजर ने यामी से बॉलीवुड इंडस्ट्री पर नेपोटिज्म की वजह से पड़ने वाले असर के बारे में सवाल किया। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि इंडस्ट्री में धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि वो बीते हुए कल के बारे में बात नहीं करना चाहती हैं। इस सेशन के दौरान एक यूजर ने उनसे पूछा, क्या आपको नहीं लगता कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में जो लोग होते हैं, वो नॉन-फिल्मी बैकग्राउंड से आने वाले टैलेंटेड फेस को पीछे धकेलते हैं? क्या आपने भी इसका सामना किया है? यामी ने इसका जवाब देते हुए लिखा, जो बीत गया, वो बीत गया। वो हो चुका है। हम सभी को आज पर फोकस करना चाहिए। बॉलीवुड को बेहतर जगह बनाना चाहिए। अच्छी फिल्में बनानी चाहिए। टैलेंट को बढ़ावा देना चाहिए, फिर चाहे हम किसी भी बैकग्राउंड से क्यों न आते हों। और मुझे ऐसा लगता है कि बदलाव धीरे-धीरे आ रहा है।

तेजस्वी प्रकाश ने फिर सरेआम किया अपने प्यार का इजहार

छोटे परदे के मोस्ट रोमंटिक कपल कहे जाने वाले तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा आए दिन अपने रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियां बटोरते रहते हैं। दोनों का प्यार अब किसी से भी छिपा हुआ नहीं हुआ हैं। ऐसे में अब इंटरनेट पर तेजस्वी ने एक बार फिर अपने प्यार को जग-जाहिर कर दिया हैं। जिसकी खबरे अब इंटरनेट पर तहलका मचा रही हैं। असल में तेजस्वी की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। जिसमे एक्ट्रेस उनकी हथेली पर करण कुंद्रा का नाम लिखा हुआ है। तेजस्वी ने यह नाम अपने मेहंदी से लिखा है। वही तेजस्वी द्वारा शेयर की गई तस्वीर पर करण कुंद्रा ने कमेंट करते हुए लिखा है, 'हाहाहा, आई लव यू सो मच, यू सिली लिटिल पांडा'। वही अब तेजस्वी के इस पिक्चर पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं। तेजस्वी द्वारा शेयर की गई इस तस्वीर पर कई फैन्स भी कमेंट कर रहे हैं, ऐसे ही एक फैन ने लिखा है, 'आपके नाम की मेहंदी, जल्दी सगाई करो सर जी'। वही एक अन्य यूजर ने कमेंट क्र लिखा हैं की अब तो सजना के नाम की मेहन्दी भी रचा ली,तो व्याह भी जल्दी से कर लो। तो वही कुछ लोग कमेंट कर लिख रहे ही हैं की इस जोड़ी को किसी की नजर ना लगे। वही पिछले दिनों ऐसी खबर आई थी कि तेजस्वी और करण की सगाई हो गई है। असल में, तेजस्वी एक बड़ी सी डायमंड रिंग पहने हुए नजर आई थीं जिसके बाद लोगों को ऐसा ऐसा लगा कि यह इंगेजमेंट रिंग है लेकिन बाद में पता चला कि यह एक विज्ञापन का हिस्सा था। वेल अब इन दोनों के फैंस भी इनके शादी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।